सीएम ने किया ग्लोबल स्किल्स पार्क का शिलान्यास...

हुनरमंद बनें प्रदेश के युवा

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

एक साल में पूरा करेंगे स्किल पार्क का काम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

भोपाल. भारत के नव निर्माण के लिए युवाओं का हुनरमंद बनना जरूरी है। देश में एक तरफ बेरोजगारी है तो विश्व में दूसरी तरफ कौशल की कमी है। दुनिया में रोजगार की अनंत संभावनाएं हैं। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्लोबल स्किल्स पार्क के शिलान्यास व ग्लोबल कंसलटेशन ऑन स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा, ग्लोबल स्किल पार्क का काम हर हाल में 15 अगस्त 2018 तक पूरा किया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूड़ी ने कहा कि प्रदेश ने आईटीआई की ऑनलाइन परीक्षा संचालित कर अन्य राज्यों को इस दिशा में पहल के लिए प्रेरित किया है।

क्रिकेटर के श्रीकांत ने कहा कि ग्लोबल स्किल्स पार्क का प्रारूप उसकी सुपर सक्सेस को बता रहा है। इससे अब छोटे शहरों से भी धोनी जैसे स्किल्ड युवा निकलेंगे।

ग्लोबल स्किल्स पार्क के शुभारंभ से पहले पौधरोपण किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान केन्द्रीय कौशल विकास मंत्री राजीव प्रतप रूडी आईटीआईएस सिंगापुर के ब्रूस पो, पूर्व क्रिकेटर कृष्णामाचारी श्रीकांत आदि मौजूद रहे।

यह है उद्देश्य

- इंडस्ट्री और अर्थव्यवस्था की जरूरतें पूरी करना
- व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण के प्रति युवाओं की रुचि बढ़ाना
- युवाओं को विश्व स्तर की सुविधाएं देना
- एक ही परिसर में उद्योग, प्रशिक्षण की व्यवस्था करना
- बुनियादी प्रशिक्षण, उद्योग और अर्थव्यवस्था के बीच सेतु बनाना, गुणवत्ता, मूल्यांकन, नवाचार करना

यह होगी विशेषता

ग्लोबल स्किल्स पार्क में कौशल विकास, उद्यमिता विकास, ग्लोबल मार्केट सर्वेक्षण जैसी सभी विश्व स्तरीय विशेषताएं होंगी। प्रतिवर्ष 10000 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। पार्क में विश्व स्तर के प्रशिक्षक होंगे। प्रशिक्षण देने के लिए राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों एवं इंडस्ट्री को जगह उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यार्थियों का प्लेसमेंट देश विदेश की कंपनियों में कराया जाएगा।

सीएम के साथ हुई बैठक

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से काउंसलेट जनरल ऑफ द रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर अजीत सिंह और आईटीईएस सिंगापुर के ब्रूस पो ने भेंट की। भेंट के दौरान ग्लोबल स्किल्स पार्क के संबंध में चर्चा हुई। इस दौरान मुख्य सचिव बीपी सिंह और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव अशोक वर्णवाल भी मौजूद थे।

बेहतर काम करने पर पद्मश्री की सिफारिश

कौशल विकास के लिए बेहतर काम करने वाले आईटीआई के प्रिंसिपल को पद्मश्री अवार्ड देने की सिफारिश की जाएगी। यह बात केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री राजीव प्रताप रूड़ी ने प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने कहा, कौशल विकास के लिए अच्छा काम करने पर मप्र को केंद्र ने 103 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। आने वाले समय में आईटीआई, केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय की तरह होंगे। इसके लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की जा रही है।

नहीं आए बाबूलाल गौर

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर नहीं आए। मंच पर पहली लाइन में उनके लिए आरक्षित कुर्सी खाली पड़ी रही। उनकी कुर्सी पर बाद में मुख्य सचिव बीपी सिंह बैठ गए।